

फर्द अहकाम

नाम न्यायालय
केस संख्या

बनाम
अज्ञित दुग्ग रामजीपत V रामकल्याण
V
पति

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	18/05/12	पुत्रकारान वकील उपो 120 साठ केम्प कोठे के पक्षत है परवली प्रवीण साद डिके 31/5/12 को केम्प कोठे परवण पर पेश है	L.T. (2)
	31/05/12 M. राजबहाव	परवली केम्प कोठे परवण पर पेशा उद्ये पुत्रकारान वकील उपो/अपुर्णी ① स्वयं उपो/अपुर्णी ② की रसद से 2A रवि जैन 130 ने V.न. ली। प्रायोज धारा 212 RTA की निवारित समप सीमा के तहत नजद प्रायोज 10-पट उरुपपडा को हुना उरुप। परवली का अवलोकन सीमा उरुप। अवलोकन करते पर पादा कि प्रत्यक्ष का वास्तुश्रुति है अपुर्णी सं. ① के वाद वज हिस्से में से नोशनल श्रेयद के आधार पर हड प्रथम उपरुप। किहि है अतः प्रवर्षिण का प्रायोज अस्माई निषेधादा आंशिक स्वीकार किना जाऊत प्रायोज के मुद् न. ② में वर्णित वास्तुश्रुति में प्रवर्षिण के नोशनल श्रेयद तक अस्माई निषेधादा प्रल वाद के निस्तारण तक क-फर्म की जाती है। शेष स्थान खारिज किना जाता है परवली फैसल मुकारा होके वज नजद से कम है। प्रल वाद के क्षमिता रहे। उपखण्ड अधिकारी कामी (जयपुर)	पेशा 31/5/12